NEWS CLIPPING: 29.05.2019

HINDUSTAN

विभिन्न पाठ्यक्रमों में एक सीट अलग से सुरक्षित रखी जाएगी

वाईएमसीए में इकलौती बेटी को अतिरिक्त सीट

पहल

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वाईएमसीए) में अनोखी पहल शुरू की गई है। नए शैक्षणिक सत्र से विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए एक सीट परिवार में इकलौती बेटी के लिए सुरक्षित रखी जाएगी। यह सीट पाठ्यक्रम के लिए स्वीकृत सीटों की संख्या के अतिरिक्त होगी। इस पर सिर्फ परिवार में अकेली लड़की को ही दाखिला मिलेगा। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने दी।

उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार की ओर से लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम के तहत यह निर्णय लिया है। इसके तहत बीटेक, एमटेक, एमबीए और एमसीए पाठ्यक्रम को छोड़कर यूजीसी की ओर से स्वीकृत सभी पाठ्यक्रमों में इसका लाभ मिलेगा। इसमें दाखिला मेरिट के आधार पर किया जाएगा।

इस सीट पर दावे के लिए अभ्यार्थी के अभिभावक को प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट के माध्यम से सत्यापित शपथ पत्र देना होगा। इसमें प्रस्तुत कर घोषित करना होगा कि सीट पर दावा कर रही अभ्यर्थी उनके परिवार में एकमात्र लड़की है, उनका कोई भी अन्य भाई-बहन नहीं है।

यह सीट केवल हरियाणा के अधिवासी विद्यार्थियों को ही दी जाएगी। इस सीट पर कोई भी दावा न होने पर सीट रिक्त रहेगी। इस सीट को किसी अन्य श्रेणी से नहीं भरा जाएगा। अगर सीट पर कई छात्राओं की दावेदारी होती है, तो मेरिट सीट के आधार पर दाखिला होगा।

इकलौती बेटी के लिए वाईएमसीए में सीट अनिवार्य की गई। ● फाइल फोटो

चार नये पाठ्यक्रम के लिए 10 जून तक करें आवेदन

डीन अकादमिक डॉ. विक्रम सिंह ने बताया कि नए शिक्षण सत्र से विश्वविद्यालय की ओर से चार नए पाठ्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि बीए बीए प्रत्रकारिता और जन संचार में 35 सीट है। एमए (इंग्लिश), 60 सीटों के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्प्यूटर इंजीनियरिंग में बी.टेक और पावर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं ड्राइवस में 18 सीटे है। उन्होंने बताया कि जुलाई में शुरू होने वाले आगामी शैक्षणिक सत्र के लिए यूजी व पीजी के विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए है। एमटेक को छोड़कर सभी पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए 10 जून तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते है, वहीं, एमटेक के लिए 30 जून तक ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है।

विश्वविद्यायल में सीटों की संख्या हुई 1657

पिछले चार वर्षों से विश्वविद्यालय की ओर से यूजी और पीजी स्तर पर 15 नए पाठ्यक्रम शुरू किया गया है। वर्ष 2015 में विश्वविद्यालय के सभी पाठ्यक्रम में सीटों की संख्या 756 थी। अब इसकी संख्या बढ़कर 1657 हो गई। वहीं, विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या 2589 से बढ़कर लगभग पांच हजार हो गई है।

NEWS CLIPPING: 29.05.2019

NAVBHARAT TIMES

नेक पहल बेटियों को पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करने के लिए जेसी बोस (वाईएमसीए) यूनिवर्सिटी ने की शुरुआत

सिंगल गर्ल चाइल्ड के लिए रिजर्व होगी एक सीट

■ एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद

बेटियों को पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करने के लिए जेसी बोस (वाईएमसीए) यूनिवर्सिटी ने एक पहल शुरू की है। यूनिवर्सिटी ने अपने कई कोर्स में परिवार में अकेली लड़की के लिए सीट रिजर्व रखने का फैसला लिया है। सिंगल गर्ल चाइल्ड के लिए यूनिवर्सिटी में स्वीकृत सीटों से अलग एक सीट डिवेलप की है। नए सत्र से ही इस नियम को लागू कर दिया गया है। इस सीट के लिए 10 जून तक आवेदन किए जा सकते हैं।

जेसी बोस (वाईएमसीए) यूनिवर्सिटी

यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार ने बताया कि राज्य सरकार लड़कियों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के तहत कई कदम उठा रही है। इस कार्यक्रम से जुड़कर यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने नए सत्र से एक सीट सिंगल गर्ल चाइल्ड के लिए रिजर्व रखने का फैसला लिया है। उन्होंने बताया कि बीटेक, एमटेक, एमबीए व एमसीए कोर्स को छोड़कर यूजीसी से स्वीकृत सभी कोर्स में सिंगल गर्ल चाइल्ड के सीट रिजर्व रखी जाएगी।

देना होगा एफिडेविट

■ **इस सीट** पर दावे के लिए छात्रा के अभिभावकों को फर्स्ट क्लास मैजिस्ट्रेट की तरफ से अटेस्टेड एफिडेविट देना होगा। एफिडेविट में दावा करना होगा कि उनके परिवार में यह एकमात्र लड़की है।

10 जून तक करें अप्लाई

■ **यूनिवर्सिटी के** अकैडमिक डीन डॉ. विक्रम सिंह ने बताया कि सिंगल गर्ल चाइल्ड सीट के अलावा, अन्य सभी सीटों के लिए 10 जून तक आवेदन लिए जा रहे हैं। वेबसाइट www.ymcaust.ac.in पर कोर्सेज की डिटेल देख सकते हैं।

DAINIK BHASKAR

जेसी बोस यूनिवर्सिटी की पहल • बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के तहत लिया निर्णय, 25% सीटों पर पहले से दे रहे हैं लड़कियों को आरक्षण

परिवार में सिंगल गर्ल चाइल्ड है तो एडमिशन को विशेष सीट रिजर्व

DB: 29/05/2019

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी यूनिवर्सिटी ने अनोखी पहल करते हुए नए शैक्षणिक सत्र से विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए एक सीट ऐसी छात्राओं के लिए रखने का निर्णय लिया है, जो परिवार में अकेली लड़की (सिंगल गर्ल चाइल्ड) हो। यह सीट पाठ्यक्रमों के लिए स्वीकृत सीटों की संख्या के अतिरिक्त होगी। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार के अनुसार राज्य सरकार बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम के तहत अनेक कदम उठा रही है। इसी दिशा में कार्यक्रम से जुड़ते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने नए शैक्षणिक सत्र में एक सीट 'सिंगल गर्ल चाइल्ड' के लिए रखने का निर्णय लिया है। इस पहल का उद्देश्य उच्चतर शिक्षा में छात्राओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करना है। अतिरिक्त सीट का प्रावधान बीटेक, एमटेक, एमबीए व एमसीए पाठ्यक्रमों को छोड़कर यूजीसी की ओर से स्वीकृत सभी पाठ्यक्रमों में रहेगा और दाखिला मेरिट के आधार पर होगा।

शपथ पत्र देना होगा कि परिवार में और बहन-भाई नहीं हैं

सिंगल गर्ल चाइल्ड की सीट पर दावे के लिए अभ्यर्थी के अभिभावक को प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट की ओर से सत्यापित शपथ पत्र में प्रस्तुत कर घोषित करना होगा कि सीट पर दावा कर रही अभ्यर्थी उनके परिवार में एकमात्र लड़की है और उसका कोई भी अन्य भाई-बहन नहीं है। यह सीट केवल हरियाणा के अधिवासी विद्यार्थियों को ही दी जाएगी। इस सीट पर कोई भी दावा न होने पर सीट रिक्त रहेगी और इससे किसी अन्य श्रेणी से नहीं भरा जाएगा। सीट पर एक से अधिक दावे मिलने पर सीट पर दाखिला प्रवेश परीक्षा अथवा योग्यता परीक्षा में प्राप्त अंकों की मेरिट के आधार होगा। कुलपति के अनुसार चार साल के दौरान यूनिवर्सिटी

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी यूनिवर्सिटी

ने यूजी व पीजी स्तर पर 15 नए पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। वर्ष 2015 में यूनिवर्सिटी के सभी पाठ्यक्रमों में सीटों की संख्या 756 थी। जो मौजूदा शैक्षणिक सत्र में बढ़कर 1657 तक पहुंच गई। विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या भी 2589 से बढ़कर लगभग पांच हजार तक पहुंच गई है।

नए सत्र से 4 नए पाठ्यक्रम, आवेदन की अंतिम तिथि 10 जून

डीन अकादमिक डॉ. विक्रम सिंह के अनुसार नए शिक्षण सत्र से विश्वविद्यालय की ओर से 4 नए पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं। इनमें 40 सीटों के साथ बीए (जर्नलिज्म व मॉस कम्युनिकेशन), 35 सीटों के साथ एमए (इंग्लिश), 60 सीटों के साथ बीटेक (इलेक्ट्रॉनिक्स व कम्प्यूटर इंजीनियरिंग) और 18 सीटों के साथ एमटेक (पावर इलेक्ट्रानिक्स एवं ड्राइवस) शामिल हैं। उन्होंने बताया जुलाई से शुरू होने वाले सत्र के लिए यूजी व पीजी के विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। एमटेक को छोड़ सभी पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 10 जून है। जबकि एमटेक के लिए 30 जून तक ऑनलाइन आवेदन होंगे। सत्र 2019-20 के लिए एमटेक के सभी पाठ्यक्रमों, फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ तथा एनवायरमेंट साइंस में एमएससी, एमबीए, एमसीए, एमसीए (लेटरल एंट्री), फिजिक्स, केमिस्ट्री व मैथ में बीएससी ऑनर्स, एनिमेशन तथा मल्टीमीडिया में बीएससी, बीए (जर्नलिज्म व मॉस कम्युनिकेशन), एमए (जर्नलिज्म व मॉस कम्युनिकेशन) तथा एमए (इंग्लिश) पाठ्यक्रमों के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए है। यूनिवर्सिटी में बीटेक व बीटेक (लेटरल एंट्री) के सभी पाठ्यक्रमों के लिए दाखिला हरियाणा राज्य तकनीकी शिक्षा सोसायटी की ओर से जेईई परीक्षा तथा योग्यता परीक्षा में उत्तीर्ण अंकों के आधार पर किया जाएगा।

NEWS CLIPPING: 29.05.2019

AMAR UJALA

पहल : जेसी बोस विश्वविद्यालय में इकलौती बेटी के लिए सीट आरक्षित

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने अनोखी पहल करते हुए नये शैक्षणिक सत्र से विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए एक सीट ऐसी छात्राओं के लिए रखने का निर्णय लिया है, जोकि परिवार में अकेली लड़की (सिंगल गर्ल चाइल्ड) हो। यह सीट पाठ्यक्रमों के लिए स्वीकृत सीटों की संख्या के अतिरिक्त होगी। सिंगल गर्ल चाइल्ड के लिए ही सीट अलग से सृजित की गई है। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम अंतर्गत अनेक कदम उठा रही है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने नये शैक्षणिक सत्र में एक सीट 'सिंगल गर्ल चाइल्ड' के लिए रखने का निर्णय लिया है। इस पहल का उद्देश्य उच्चतर शिक्षा में छात्राओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करना है। 'सिंगल गर्ल चाइल्ड' के लिए अतिरिक्त सीट का प्रावधान बीटेक, एमटेक, एमबीए व एमसीए पाठ्यक्रमों को छोड़कर यूजीसी द्वारा स्वीकृत सभी पाठ्यक्रमों में रहेगा और दाखिला मेरिट के आधार पर किया जायेगा। 'सिंगल गर्ल चाइल्ड' की सीट पर दावे के लिए अभिभावक को प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट द्वारा सत्यापित शपथ पत्र में प्रस्तुत कर घोषित करना होगा। ब्यूरो